**22. उधार दिये गये धन की वसूली के लिए वाद।**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

अबक ........ वादी

बनाम

कखग ................... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -**

1. तारीख............. को वादी ने तारीख .. ................ को प्रतिसंदेय............... रुपये प्रतिवादी को उधार दिया।
2. प्रतिवादी ने ................... को संदाय किये गये ..... ................ रुपये के सिवाय उसी का संदाय नहीं किया है (यदि वादी परिसीमा की किसी विधि से छूट का दावा करता है)।
3. वादी तारीख .... ...................... से ... ...... .....................तारीख तक अवयस्क (या पागल) था।
4. वादी ने तारीख ..... ...................... को प्रतिवादी को तामील करायी गयी एक रजिस्ट्रीकृत को नोटिस के माध्यम से परिनिर्धारित ब्याज सहित रकम की मांग की लेकिन प्रतिवादी ने न तो नोटिस का उत्तर दिया है और न ही ब्याज सहित ऋण की बकाया रकम का संदाय किया है।
5. यह कि वाद हेतुक तारीख ... ..... ..................... को इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर पैदा हुआ जब प्रतिवादी ने वादी के मांग की नोटिस प्राप्त किया।
6. अधिकारिता के प्रयोजनार्थ वाद की विषय वस्तु का मूल्य . ........ ...................... रुपये है और न्यायालय फीस के प्रयोजनार्थ............... रुपये है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी तारीख .................................. से ...................प्रतिशत पर ब्याज सहित ............. ................. रुपये का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी